# मेरे माता-पिता

## Mera Mata Pita

---

माता-पिता बच्चे के लिए भगवान का तोहफा होते हैं। वे अपने बच्चे को प्यार तथा देखभाल से बड़ा करते हैं। वे अपने बच्चों की हर इच्छा पूर्ण करते हैं तथा उसे पूरा आराम प्रदान करते हैं। वे उसे सदा अच्छे से तैयार हुआ तथा तंदरुस्त देखना पसंद करते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा तरक्की करे तथा एक अच्छा इंसान बने। उम्र में चाहे वह कितना भी बड़ा हो जाए, मां-बाप के लिए वह सदा बच्चा ही रहेगा।

मैं अपने मां-बाप का इकलौता पुत्र हूं। इसलिए मैं उनकी आँखों का तारा हूं। वे हमेशा मुझ पर अपने प्रेम तथा आशीर्वाद की बारिश करते रहते हैं। वे मुझे एक दोस्त की भांति प्रेम करते हैं। वे मेरे साथ पढ़ते हैं. लिखते हैं और खेलते हैं। वे मेरे स्वास्थ्य का खास ध्यान रखते है। वे सुबह मझे सैर पर ले कर जाते हैं। जब कभी भी मैं बीमार होता हूं, वे उदास हो जाते हा व यह कोशिश करते हैं कि मैं जल्दी से ठीक हो जाऊँ और खेलने लगूं।

मेरे पिता जी एक कालेज में लैक्चरार हैं। मेरी माता एक स्कूल में अध्यापिका हैं। वे व्हाहते हैं की मै अच्छी शिक्षा प्राप्त करूँ। वे मुझे जनरल जानकारी तथा शिक्षा की साधारण लाकर देते रहते हैं। हमारे घर में राज्य के दो दैनिक समाचार पत्र आते हैं। उन्होंने मेरे एक कम्प्यूटर भी खरीदा है। वे मुझे टी.वी. पर जानकारी वाले प्रोग्राम भी दिखाते हैं।

मेरे माता-पिता बहुत अच्छे और सच्चे हैं। वे अपने विद्यार्थियों तथा सह-कर्मचारियों से इज्जत प्राप्त करते हैं। वे बहुत खुशनुमा स्वभाव के हैं। वे घर पर अपना समय मेरे साथ व्यतीत करना पसंद करते हैं। वे मेरे दोस्तों को अपने दोस्तों की भांति प्रेम करते हैं। उनके साथ में कोई भी बोर (उदास) नहीं होता। वे किसी क्लब के सदस्य नहीं है। धार्मिक विचारों वाले हैं। वे ईश्वर से डरते हैं। भगवान मेरे माता-पिता को लंबा तथा तंदरुस्त जीवन प्रदान करें।